Twelve

CORE Training

प्रशिक्षक की कुंजी

पाठ 1-0 बच्चों के लिए यीशु का हृदय

उद्देश्य

- यह पता लगाना कि बच्चों और संसार के लिए, यीशु के हृदय के बारे में वचन क्या कहता है।
- बच्चों के साथ काम करने के लिए, अगुवों को तैयार करने के लिए महत्वपूर्ण तत्वों पर विचार करना।
- बच्चों और महान आदेश के लिए, बच्चों के कार्य को परमेश्वर के हृदय के विस्तार के रूप में समर्पित करना।

प्रतिभागियों को ज़रुरत होंगी:

- बाइबल
- प्रतिभागी नोट्स
- लेखन सामग्रियां

चित्रण विकल्प:

- मिटाने योग्य बोर्ड और लेखन सामग्रियां
- 100 रूई की गेंदें, या अन्य विकल्प (मटर के दाने, पत्थर, आदि)
- परमेश्वर के हृदय की वस्तुएं: क्रूस, हृदय, चेन, मोमबत्ती, तौलिया
- तीन पत्थर और एक बर्तन
- आग के लिए लकड़ी, आग के लिए रंगीन कागज (या अन्य विकल्प)
- कार (या कार की एक तस्वीर)

मीडिया विकल्प:

- **इस पाठ के** लिए पावर प्वाइंट स्लाइड
- "4/14 झरोखे का परिचय" वीडियो (यदि स्थानीय भाषा में अनुवाद किया गया है)

पाठ अवलोकन

स्वागत और तैयारी	5 मिनट
बच्चों के बारे में लोग क्या कहते हैं?	5 मिनट
यीशु ने बच्चों के बारे में क्या सिखाया?	15 मिनट
बच्चों के लिए परमेश्वर का हृदय क्या है?	15 मिनट
हम बच्चों के साथ काम करने के लिए कैसे तैयारी करेंगे?	15 मिनट
महान आदेश और बच्चें	5 मिनट
समेटना	5 मिनट
लगभग कुल समय:	**65 मिनट**

आरम्भ करने से पहले

- प्रार्थना करें। प्रतिभागियों के दिलों को खोलने और इस महत्वपूर्ण विषय के बारे में अपने हृदय से उनसे बांटने में आपकी सहायता करने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करें।
- सभी सामग्रियों को इकट्ठा करें (दाहिनी ओर देखें)। आवश्यकतानुसार अदला बदली करें।
- पाठ को उन जगहों को खोजने के लिए पढ़ें जहां आपको व्यक्तिगत कहानी या विचार देने के लिए कहा जाएगा। पहले से ही सामर्थी उदाहरण चुनने की योजना बनाएँ।

स्वागत और तैयारी *(5 मिनट)*

एक खेल खेलें : बारह महीने

(प्रतिभागियों का स्वागत करें, अपने आप का परिचय और प्रत्येक का एक दूसरे के साथ परिचय करने के लिए एक खेल खेलते हैं। क्योंकि यह **बारह केन्द्रीय प्रशिक्षण** है, इसलिए बारह लोगों का इस्तेमाल करते हुए यह खेल आरम्भ होता है। प्रतिभागियों से उस महीने के बारे में सोचने के लिए कहें, जिसमें वे पैदा हुए थे। तीन की गिनती होने पर, लोगों को उसी महीने वाले किसी दूसरे लोगों से मिलकर एक समूह बनाना होगा। समूह बनाने के बाद, लोगों को स्वयं का परिचय देने और उनके बचपन के बारे में एक दिलचस्प तथ्य बाँटने का निर्देश दें। जब पूरा हो जाए, तो सभी को बैठने के लिए कहें। समझाएँ कि यह प्रशिक्षण बच्चों के साथ कार्य करने वालों को सुसज्जित करने में मदद करेगा ताकि वे यीशु के पीछे बारह चेलों की तरह चलने के लिए बच्चों को तैयार कर सकें।

वीडियो विकल्प: "4/14 झरोखे का परिचय" का वीडियो दिखाएँ और चर्चा करें कि वीडियो से क्या पता चलता है, जब हम बच्चों की सेवकाई के बारे में सोचते हैं।
(https://1for50share.net/media/introduction-to-the-4-14-window-movement-video/)

आज का पाठ, बच्चों के साथ हमारे कार्य में एक महत्वपूर्ण आधार प्रस्तुत करता है। हम इस बात की खोज करेंगे कि यीशु का हृदय बच्चों और संसार के लिए क्या कहता है। **50 हाथ के लिए 1: यह पाठ "अगुवों के हृदय" पर केंद्रित है।**

बच्चों के बारे में लोग क्या कहते हैं? *(5 मिनट)*

बच्चों के बारे में नीतिवचन या कहावत बताएँ

(अपनी संस्कृति और / या कुछ अन्य संस्कृतियों के बच्चों के बारे में कुछ सामान्य अभिविद्यार्थीयां बाँटें जहाँ आप गए हों। उदाहरण के लिए प्रतिभागी नोट्स देखें। फिर प्रतिभागियों को तीन या चार लोगों के समूह बनाने के लिए कहें और बच्चों के बारे में स्थानीय मुहावरों की सूची बनाने और उनके बारे में चर्चा करने में दो मिनट का समय लें। कई लोगों द्वारा अपने उदाहरण बांटे जाएँ। प्रमुख बिंदुओं को सारांशित करें।)

इन दृष्टिकोणों से, मसीही समुदाय या कलीसिया में बच्चों के बारे में लोगों की सोच या व्यवहार के तरीके समान या अलग कैसे होते हैं?
(एक बड़े समूह में चर्चा करें।)

यीशु ने बच्चों के बारे में क्या सिखाया? *(15 मिनट)*

यीशु ने बच्चों के बारे में क्या कहा?

जब लोग बच्चों को यीशु के पास लेकर आए, तो चेलों ने बच्चों को भगाने की कोशिश की। यीशु ने कैसे जवाब दिया? आइए, मत्ती 19:14 को एक साथ पढ़ें। (प्रतिभागियों को प्रतिभागी नोट्स में दिए गए महत्वपूर्ण शब्दों पर गोल घेरा लगाने दें जो यीशु ने बच्चों के बारे में कहा था। "आओ," "राज्य," "मत रोको" आदि जैसे शब्दों को खोजें)।

यीशु ने इस अवसर का इस्तेमाल, चेलों के विचारों को ठीक करने के लिए किया था कि बच्चों को यीशु से दूर रखा जाना चाहिए। उसने अपने अनुयायियों को निर्देश दिया कि वे बच्चों को स्वर्गराज्य और उसके पास से दूर न रखें। बच्चे परमेश्वर के लिए महत्वपूर्ण हैं।

यीशु ने अपने चेलों को बच्चों के बारे में और क्या सिखाया?

(स्थानीय भाषा में धीरे-धीरे और स्पष्ट रूप से मत्ती 18:1-14 पढ़ने के लिए किसी से कहें। यीशु द्वारा बच्चों के बारे में अलग-अलग सत्य पढ़ते हुए प्रतिभागियों को सुनाएं। इसके बाद, प्रतिभागियों को जोड़ों में या छोटे समूहों में 5 -10 मिनट के लिए पवित्रशास्त्र को पढ़ते हुए कार्य करने के लिए कहें ताकि वे यीशु द्वारा चेलों को बच्चों के बारे में सिखाए हुए तथ्यों की सूची बना सकें। एक बड़े समूह के रूप में उत्तरों को बाँटें तथा उन्हें बोर्ड पर सूचीबद्ध करें।)

यीशु के ये विचार मात्र इस बात को समझने का आरम्भ है कि पवित्रशास्त्र बच्चों के बारे में क्या कहता है।

खोई हुई भेड़ को ढूँढें

(कक्षा आरम्भ होने से पहले, कमरे में कहीं पर एक रूई सफ़ेद कपडे/की गेंद (छिपा दें। "भेड़" इस पद्यांश के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों में से एक आयत 12-14 में खोई हुई भेड़ की कहानी है। कहानी) की समीक्षा करें, कपड़े की गेंदों का प्रयोग करें या अन्य विकल्पों का इस्तेमाल करके, प्रतिभागियों से कितनी भेड़ें थी, कितने भेड़ें गायब हुईं आदि के विवरण की पुष्टि करने के लिए कहें।

समझाएं कि आपने एक भेड़ खो दी है - छिपी हुई कपड़े की गेंद - और अब इसे खोजने की ज़रुरत है। यदि कोई खोया है तो हमें क्या करना चाहिए? सब लोग खड़े होकर इस भेड़ की तलाश करने में मदद करें। जब यह मिल जाती है तो खुशी मनाएँ। कपड़े की गेंद "भेड़" को दूसरी अन्य निन्यानवे में शामिल करके दिखाएं।)

यदि हम आज के आंकड़े सम्मिलित करें तो यह कहानी किस तरह की होगी? विश्व स्तर पर, दुनिया की लगभग 1/3 जनसंख्या "चारागाह में" होंगी और 2/3 "खोई हुई भेड़ें" होगी। (सभी कपड़े के गेंदों को मेज पर रखिए और दो झुंडों में सभी गेंदों को विभाजित करें ताकि लोग प्रत्यक्ष आंकड़े देख सकें।)

आपके समुदाय में कितनी "भेड़ें," "खोई हैं" या "पाई गई हैं"? (प्रतिभागियों को अकेले या जोड़े में काम करने की अनुमति दें, प्रतिभागी नोट्स के पेज क्रमांक 2 पर बॉक्स में अपनी प्रतिक्रिया लिखें।)

अगर वह चरवाहा केवल एक भेड़ को ढूंढ़ने के लिए जाने की इच्छा रखता था, तो वह उन बहुतों के विषय में क्या करने की इच्छा रखता जिन्हें पाए जाने की ज़रूरत है (और उसके अनुयायी होने के नाते हमसे भी यही अपेक्षा करता है)।

मत्ती 18:14 (प्रतिभागी नोट्स में) में से दोबारा पढ़ें। "ऐसा ही तुम्हारे पिता की जो स्वर्ग में है यह इच्छा नहीं कि इन छोटों में से एक भी नष्ट हो।" बच्चों के लिए परमेश्वर का हृदय ही हमारे हृदय में भी हो।

बच्चों के लिए परमेश्वर का हृदय क्या है?

(15 मिनट)

बच्चों के लिए परमेश्वर के हृदय को खोजें - पवित्रशास्त्र में

(वैकल्पिकः इस खंड में पाँच वस्तुएँ पाँच बिंदुओं के साथ जाती हैं: परमेश्वर को जानना= क्रूस, परमेश्वर से प्रेम करना = हृदय, संगति = चेन/माला, परमेश्वर का आदर करना = मोमबत्ती, परमेश्वर की सेवा करना = तौलिया। जब आप प्रत्येक बिंदु को स्पष्ट करते हैं तो उन वस्तुओं को भी दिखाएँ। प्रत्येक बिंदु को याद रखने के लिए आप हाथ के संकेत बना सकते हैं।)

बाइबल में बच्चों और बचपन के विषय में 1700 से अधिक आयतें पाई जाती है। ये बच्चों के प्रति परमेश्वर की प्राथमिकता और प्रेम को प्रकट करते हैं। जो कुछ यीशु ने अपने शिष्यों को सिखाया और अन्य कहानियों और आयतों के द्वारा, हम बच्चों के आत्मिक पोषण के लिए परमेश्वर के हृदय के विषय में काफी कुछ सीख पाते हैं।

(इन पाँच बिंदुओं में से प्रत्येक को देखें और समझें। मुख्य बिंदु बताएँ, उसकी व्याख्या करें, कोई भी एक विद्यार्थी उस बिंदु के लिए मुख्य आयत पढ़ें और समझाएँ, एक बच्चे की बाइबल कहानी बताएँ, जो उस बिंदु को प्रस्तुत करती है, और उस बिन्दु को स्मरण रखने के लिए वस्तु/संकेत को करके दिखाएँ। जैसे जैसे प्रत्येक बिंदु प्रस्तुत किया जाता है, तो पुनः वापस जाएँ और वस्तु /संकेत के साथ समीक्षा करें।)

1. परमेश्वर चाहता है कि बच्चें परमेश्वर को जानें (मुख्य आयतः 2 पतरस 3:9)

परमेश्वर के बारे में दिमागी ज्ञान से कहीं अधिक परमेश्वर का ज्ञान है। परमेश्वर चाहता है कि बच्चे व्यक्तिगत रूप से उसे जानें, ताकि वे अपने उद्धारकर्ता के रूप में मसीह का अनुसरण करने का निर्णय कर सकें। यह सब कुछ बच्चे का सुसमाचार समझने और मसीह का अनुसरण करने के लिए व्यक्तिगत निर्णय के बारे में है। **2 पतरस 3:9 में "कोई" शब्द में क्या बच्चे भी शामिल हैं?** हां।

कहानीः खोई हुई भेड़ (मत्ती 18:10-14; परमेश्वर यह नहीं चाहता कि इन छोटे बच्चों में से कोई भी नाश हो।)

वस्तु/संकेतः हाथों से एक क्रूस बनाएं।

2. परमेश्वर चाहता है कि बच्चें परमेश्वर से प्रेम करें (मुख्य आयतः मरकुस 12:30)

परमेश्वर की इच्छा हैं कि बच्चे मसीह के साथ एक व्यक्तिगत संबंध या दोस्ती बनाएं, अपने सम्पूर्ण हृदय, आत्मा, मन और शक्ति से परमेश्वर से प्यार करें। इस कोमलता को आराधना और प्रार्थना के माध्यम से बच्चों में बढ़ाने की आवश्यकता है। **क्या बच्चें अपने सम्पूर्ण हृदय, आत्मा, मन और शक्ति से परमेश्वर से प्यार करते हैं?** हाँ। दाऊद का जीवन इसका एक महान उदाहरण है।

कहानीः दाऊद (परमेश्वर के हृदय के अनुसार एक छोटा लड़का)

वस्तु/संकेतः छाती के ऊपर हाथ से हृदय/क्रूस बनाते हुए।

3. परमेश्वर चाहता है कि बच्चें एक दूसरे के साथ संगति करें (मुख्य आयतः रोमियों 12:5)

बच्चों को कलीसिया में सम्मिलित करने और अन्य विश्वासियों के साथ संबंध बनाने की आवश्यकता है। इस तरह से उन्हें बढ़ाने की सलाह दी जाती है। परमेश्वर ने हमें मसीह की देह के हिस्से के तौर पर बच्चों को आमंत्रित करने और उनके साथ कार्य करने के लिए बुलाया है। जैसे वे मसीह की देह से प्रेम प्राप्त करते हैं, तो वे दूसरों के प्रति उस प्रेम को बांटना भी सीखते हैं।

कहानीः तीमुथियुस (पौलुस के पुत्र होने के समान उसके विश्वास में उन्नति हुई)

वस्तु/संकेतः चेन (एक दूसरे के साथ मजबूत होना)/हाथ पकड़े हुए

4. परमेश्वर चाहता है कि बच्चें परमेश्वर का आदर करें (मुख्य आयतः 1 तीमुथियुस 4:12; मत्ती 5:16)

माता-पिता और कलीसिया के अगुवे बच्चों से अच्छे व्यवहार की कामना करते हैं। परमेश्वर का सम्मान करने के लिए दूसरों के द्वारा जबरदस्ती अच्छा व्यवहार करने के लिए कहने से कहीं अधिक बेहतर स्वयं व्यवहार करना होता है। यह सही कार्य करना होता है, जब दूसरे नहीं देख रहे होते हैं, हृदय से सही चुनाव करना होता है। हम बच्चों को आज्ञाकारिता का जीवन जीना सिखाते हैं, ऐसे विकल्प चुनने के लिए कहते हैं जिससे परमेश्वर का आदर होता है, और दूसरों के लिए मिसाल बनते हैं।

कहानीः दानिय्येल (उसने परमेश्वर के मार्गों का अनुसरण करने का चुनाव किया, यहाँ तक कि एक अधर्मी राष्ट्र में भी)

वस्तु/संकेत: मोमबत्ती (मत्ती 5:16 के साथ बांधें)/हाथ उठाए

5. परमेश्वर चाहता है कि बच्चें परमेश्वर की सेवा करें (मुख्य आयतः 1 पतरस 4:10)

परमेश्वर की ओर से बच्चों को सेवा करने का वरदान मिला है और वह चाहता है कि वे बचपन से ही, अपने वरदानों का उपयोग करते हुए सेवा करना और उन्हें कैसे विकसित होना है, इन बातों को सीखें।

कहानीः यूसुफ (उसने घर पर, गुलामी में, जेल में और अंत में फिरौन के महल में ईमानदारी से काम किया)

वस्तु/संकेतः तौलिया (यीशु ने चेलों के पैरों को धोया)/हाथों को बढ़ाते हुए

एक साथ, ये सभी स्वप्न चेले बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। क्या यही आपके प्रभाव क्षेत्र में बच्चों के लिए आपका दर्शन और हृदय है? एक क्षण लें और बच्चों के लिए आपके हृदय और दर्शन पर विचार करें। प्रार्थना करें और परमेश्वर से कहें कि वह आपमें भी बच्चों के प्रति उसके हृदय को डालें।

हम बच्चों के साथ काम करने के लिए कैसे तैयार होंगे? *(15 मिनट)*

बच्चों के साथ काम करने के लिए तैयार होने के लिए महत्वपूर्ण क्या है?

(तीन पत्थर, बर्तन और "आग" रखें और समूह के साथ नाटक करें जब आप तीन पत्थर की आग में खाना पकाने का वर्णन करते हैं।) तीन-पत्थर वाली आग हमें बच्चों के साथ कार्य करने के लिए तैयार होने के विषय में महत्वपूर्ण सिद्धांतों की याद दिलाती है। कुछ संस्कृतियों में, खाने को एक आग पर रखकर पकाया जाता है जिसमें तीन पत्थरों का इस्तेमाल होता है। एक ही आकार के तीन पत्थरों को एक आग के चारों तरफ एक त्रिकोण में रखा जाता है, और बीच में आग लगाई जाती है। ये पत्थर बिल्कुल एक ही आकार और ऊँचाई के होने चाहिए, नहीं तो वे ऊपर रखे हुए खाने के पात्र को सही तरह से संभाल नहीं पाएँगे। बच्चों के साथ हमारी सेवकाई की तुलना तीन पत्थर की आग से साथ की जा सकती है।

पत्थरों के बीच आग, बच्चों के लिए परमेश्वर के हृदय और जुनून का प्रतिनिधित्व करती है। यदि हम बच्चों के साथ महत्वपूर्ण सेवकाई करना चाहते हैं तो हमारे भीतर परमेश्वर का हृदय जलना चाहिए। (प्रतिभागी नोट्स में रिक्त स्थान भरें।)

तीन पत्थर, बच्चों के शिक्षक और तीन आवश्यक घटक को प्रदर्शित करते हैं, जो उन्हें बच्चों की सेवकाई अच्छी तरह से करने के लिए तैयार करना होगा।

पत्थर 1: कौशलः रचनात्मकता, सिद्धांत, शिक्षण कौशल, विचार, कहानी बताने आदि से संबंधित है, जिसका कि हम बच्चों को पढ़ाने के लिए उपयोग करते हैं। अधिकांश लोगों को लगता है कि कौशल की केवल बच्चों की सेवकाई की तैयारी करते समय आवश्यकता होती है। लेकिन कौशल, आवश्यकता का केवल एक भाग ही है।

पत्थर 2: बाइबल ज्ञान का अर्थ परमेश्वर के वचन को जानना है, यह आपके हृदय में है और सही ढंग से सिखाने में सक्षम है। बहुत से लोग कहते हैं कि बच्चों के कार्यकर्ताओं को "केवल बच्चों को सिखाना है" इसलिए उन्हें बहुत सारे बाइबल प्रशिक्षण की आवश्यकता नहीं है। लेकिन भविष्य में सत्य का एक मजबूत आधार बनाने के लिए बच्चों को अच्छी तरह से सिखाया जाना चाहिए।

पत्थर 3: सेवक अगुवाई का अर्थ मसीह का एक उदाहरण होने से है, न केवल बच्चों के साथ, बल्कि कक्षा के बाहर भी दयालु और ईमानदार विद्यार्थी होना चाहिए। इसका अर्थ है कि आप बच्चों को जो सिखा रहे हैं वह स्वयं में भी जी रहे हैं।

- **क्या इन तीनों क्षेत्रों को मजबूत और संतुलित होना चाहिए? क्यों?**
- **क्या होता है, जब तीनों क्षेत्रों में से कोई भी कमजोर या अनुपस्थित होता है?**

एक ऐसे शिक्षक का उदाहरण बांटें जो संतुलित नहीं था (अर्थात्, शिक्षण कौशल और बाइबल का ज्ञान तो था, लेकिन एक दास अगुवे का उदाहरण नहीं था)। जैसे कि आप बँटते हैं, तो उस पत्थर को निकालें जिसकी वहाँ कमी थी।

बर्तन, बच्चे का प्रतिनिधित्व करता है और जो कुछ उसमें जाता है वह उन्हें यीशु के अनुयायी होने के लिए अनुशासित करता है। (पिछले सत्र में से पाँच वस्तुओं का उपयोग यह वर्णन करने के लिए करें, कि शिष्य बनाने के लिए बर्तन में क्या इस्तेमाल होता है।) जैसे कि खाना पकाने के लिए ध्यान, समय और सामग्री डालने की आवश्यकता होती है, उसी तरह बच्चों को शिष्य बनाने में भी समय, ध्यान और निरंतर शिक्षण की ज़रुरत होती है।

गोल चक्र : बच्चों की सेवकाई के लिए अनिवार्य

जबकि हम इस पूरे पाठ को एक साथ रखते हैं, तो हम तीन बहुत ही महत्वपूर्ण खिलाडियों को देखते हैं:

परमेश्वर: सबसे पहले केंद्र में परमेश्वर है, जिनका बच्चों के लिए हृदय और संसार के लिए हृदय वह "आग" है जो इन सबको प्रेरित करता है।

अगुवे: अगले बच्चों के अगुवे और कार्यकर्ता हैं जिन्हें कौशल, बाइबल ज्ञान और मसीह-सामान उदाहरण के साथ तैयार रहने की आवश्यकता है।

बच्चे: अंत में, बच्चों के लिए परमेश्वर का हृदय यह है कि वे शिष्यों की तरह बढ़ें – केवल कक्षा में चुप रहने या याद करने की आयतों को बोलने के लिए नहीं, बल्कि इस दुनिया में यीशु के अनुयायी बनने के लिए।

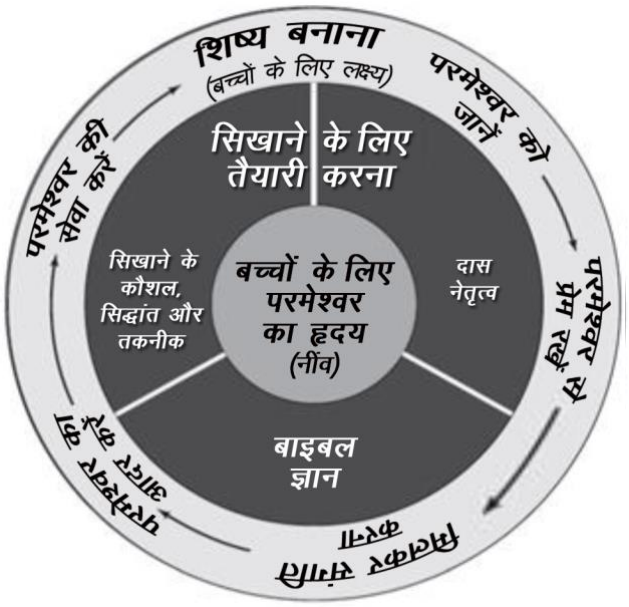

तो बच्चों के लिए एक प्रभावी सेवकाई को कैसे महान आदेश से जोड़ सकते हैं?

महान आदेश और बच्चें

(5 मिनट)

महान आदेश

मत्ती 28:1 9-20 को पढें (प्रतिभागी नोट्स में बच्चों को उन शब्दों को रेखांकित करने दें जो बच्चों के अगुवों के लिए लागू होते हैं और उन शब्दों पर गोला बनायें जो बच्चों पर लागू होते हैं।

खोजें: जाओ, सब जातियों के लोगों, चेला बनाओ, बपतिस्मा दो, मानना सिखाओ, "मैं जगत के अंत तक सदा तुम्हारे संग हूँ।"

ध्यान दें कि सभी वचन बच्चों और उनके अगुवों दोनों पर लागू होते हैं!)

महान आदेश की पूर्तिकरण के लिए बच्चों के अगुवों का क्या प्रभाव हो सकता है?

कलीसिया एक कार की तरह है

(एक खिलौना कार या किसी कार की तस्वीर दिखाएं।) बच्चों के साथ और बच्चों के लिए सेवकाई करना कार के एक पहिये के समान है। बच्चों की सेवकाई एक अतिरिक्त टायर की तरह नहीं होती है, जो कि आवश्यकता आने तक ट्रंक में छिपाकर रखा जाता है। जिस प्रकार से कार को सही ढंग से आगे बढ़ाने के लिए प्रत्येक पहिया आवश्यक होती है, वैसे ही कलीसिया को मजबूत बनाने के लिए बच्चों की सेवकाई करने की आवश्यकता होती है। बच्चों पर ध्यान केंद्रित करने से कलीसियाओं को निम्नलिखित सहायता मिल सकती हैं:

- अधिक चेले बनाने में
- मसीह के लिए अधिक से अधिक लोगों के पास पहुँचने में
- मजबूत बनने में
- और भी कई बातें!

समेटना और प्रार्थना

(5 मिनट)

क्या बच्चों के साथ आपके कार्य को लोग महान आदेश के एक आवश्यक हिस्से के रूप में देखते हैं?

यहाँ तक कि यदि आप ऐसा समझने वाले कुछ लोगों में से एक हैं, जो अब जानते हैं कि यह बच्चों के लिए यीशु का हृदय है।

परमेश्वर आपसे क्या कह रहा है, इसका आप कैसे जवाब देंगे?

(प्रार्थना में एक साथ या छोटे समूहों में समय बिताएँ।) एक दूसरे के लिए प्रार्थना करें ताकि बच्चों के लिए परमेश्वर के हृदय की गहरी समझ बढ़ सकें। प्रार्थना करें कि प्रत्येक विद्यार्थी समझे कि परमेश्वर क्या करना चाहता है और उसकी आज्ञा पालन करने का साहस प्राप्त हो।